

## ऋण-निर्देश

इस लघु-शोध-प्रबंध को संपन्न बनाने में मुझे बहुतों का सहयोग मिला। उनके प्रति कृतज्ञता यापन करना मेरा परम कर्तव्य है।

यह लघु-शोध-प्रबंध पूर्ण करने में मेरे पितृ-तुल्य गुरुवर्य डॉ. वसंत के. मोरे जी ने अनमोल मार्गदर्शन किया है। मेरे पिताजी के निकट स्नेही होने से उनकी मेरी ओर विशेष आत्मीयता रही है। प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध उनके समर्थ निर्देशन का ही सफल परिणाम है। उनके ऋण से उऋण होना मेरे लिए सर्वथा असंभव है।

शिवाजी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष श्रद्धेय डॉ. पी. एस्. पाटील जी तथा श्रद्धेय डॉ. अर्जुन चव्हाण जी का भी पर्याप्त प्रोत्साहन और मार्गदर्शन मिला। उनके प्रति कृतज्ञ होना मेरा परम कर्तव्य है। डॉ. आंबेडकर-मराठवाडा विश्वविद्यालय के श्रद्धेय प्रा. डॉ. चंद्रदेव कवडे जी के अपार स्नेह से मेरे इस कार्य में बड़ा सहयोग मिला है। उनकी मैं आभारी हूँ।

मेरे माता-पिता, भाई, सास-ससुर तथा मेरे पति प्रा. नेताजी पोवार आदि से मुझे सदैव प्रोत्साहन और सहयोग मिला, जिसके बिना यह कार्य असंभव था। इस लघु-शोध-प्रबंध की बहिरंग सजावट में मेरे भाई श्री शेखर की बड़ी सहायता हुई। मेरे भानजे कुमार निखिल का सहयोग हर्ष की बात है। इन सब के प्रति आभार प्रकट करना दुस्साहस होगा।

शिवाजी विश्वविद्यालय, विवेकानंद महाविद्यालय, श्री शहाजी छ. महाविद्यालय, न्यू कॉलेज के ग्रंथालयों से मुझे पर्याप्त सहयोग मिला। इनके ग्रंथपाल तथा अन्य कर्मचारियों के प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ।

मेरे पिताजी के स्नेही और मेरे श्रद्धेय प्रा. जाधव प्रा. सौ. जाधव, प्रा. केसरकर, प्रा. सौ. किल्लेदार प्रा. शहा और प्रा. आय. आर. मोरे जी, प्रा. चिकुर्डेकर, प्रा. सौ. शेळके आदि से भी मुझे अनमोल सहयोग मिला। उनके अपार स्नेह के लिए कृतज्ञता प्रकट करना मेरा कर्तव्य है।

इस लघु-शोध-प्रबंध को कॉम्प्यूटर पर साकार करने में **विजय कम्युनिकेशन** लक्ष्मीपुरी कोल्हापुर के मालिक सौ. प्रमोदिनी पुंगावकर, श्री. प्रमोद पुंगावकर, श्री. राजू शेलार, सौ. सोनाळीकर, श्री. विद्याधर कुलकर्णी आदि ने अथक परिश्रम किए। उन सबकी मैं आभारी हूँ। मेसर्स मकरंद प्रिंटर्स के श्री. अजित पोवार के सहयोग के लिए आभार।

चार

पर्याप्त सावधानी के बाद भी इस लघु-शोध-प्रबंध में कुछ त्रुटियाँ रह जाने की संभावना है।  
उसके लिए मैं क्षमाप्रार्थनी हूँ।

अंत में उन सबके प्रति भी मैं आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मेरी सहायता  
की है।

कोल्हापुर

दि. 29 अक्टू, 1996

*M. Tiwale*  
29/10  
(मनिषा तिवले)